भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1158

मंगलवार, 03 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

एसएमई की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एनपीसी द्वारा की गई पहल

1158. श्री अनुराग शर्माः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश में विनिर्माण और सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) द्वारा शुरू की गई पहलों के संबंध में व्यापक अद्यतन का ब्यौरा क्या है;

(ख) उत्पादकता में सुधार के लिए लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को समर्थन देने के लिए कार्यान्वित किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है और साथ ही ज्ञान और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान के लिए अंतर्राष्ट्रीय उत्पादकता संगठनों के साथ एनपीसी के सहयोग संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उद्योगों में सतत और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादकता प्रथाएं अपनाने को बढ़ावा देने के लिए एनपीसी द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या राष्ट्रव्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सुविधा के लिए एनपीसी को आबंटित धन या संसाधनों में कोई उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और (ङ) आर्थिक विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन करने में एनपीसी की भूमिका को और सुदृढ़ बनाने की योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ग) : राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) लीन मैन्युफेक्चरिंग तकनीक, 5एस कार्यस्थल संगठन पद्धतियां, कुल उत्पादक रखरखाव (टीपीएम) का कार्यान्वयन और संगठनात्मक पुनर्गठन अध्ययन जैसे विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रमुख पहलें शुरू कर रही हैं।

विशेष रूप से, उत्पादकता में सुधार करने के लिए लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सहायता देने के लिए, एनपीसी ने एमएसएमई मंत्रालय की एमएसएमई प्रतिस्पर्धी लीन स्कीम (एमसीएलएस), ग्रीन लीन पहल (जीएलईएएन) को कार्यान्वित किया है और डिजिटल रेडीनेस टूल विकसित किया है।

ज्ञान और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए, एनपीसी ने एमएसएमई विकास और सुविधा प्रदाता कार्यालय (डीएफओ), भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), उद्योग संघों, राज्य सरकार के कार्यालयों, स्थानीय उत्पादकता परिषदों जैसे घरेलू के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एशियाई उत्पादकता संगठन (एपीओ) संस्थानों के साथ सहयोग किया है।

सतत और पर्यावरण अनुकूल उत्पादकता उपायों को अपनाने को प्रोत्साहित करने हेतु, एनपीसी भू-जल के कुशल उपयोग संबंधी केंद्रीय भू-जल प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के

अनुसार पर्यावरणीय और जल संबंधी ऑडिट कर रहा है। इसने पर्यावरण अनुकूल पद्धतियों को बनाये रखने के लिए हरित सागर दिशा–निर्देशों को कार्यान्वित कराने में पत्तनों की सहायता की है। एनपीसी ने समुद्री प्लास्टिक कूड़े को कम करने के लिए वैश्विक पहलों में भी भाग लिया है। एनपीसी द्वारा की गई पहलों का विवरण **अनुबंध I** में दिया गया है।

(घ) और (ङ) : सरकार ने भारत की उत्पादकता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए, एनपीसी को उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में स्थापित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों को लागू करने हेतु, एनपीसी मौजूदा उपलब्ध संसाधनों की आत्मनिर्भरता और कुशल उपयोग को बढ़ाने के उपायों पर काम कर रही है।

*****

अनुबंध I

दिनांक 03.12.2024 को उत्तर दिये जाने के लिए लोक सभा के अतारांकित प्रश्न संख्या 1158 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

<u>उत्पादकता बढ़ाने, ज्ञान और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने तथा स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए एनपीसी द्वारा की जा रही पहलों का विवरण।</u>

क्रम सं.	विभिन्न क्षेत्रों में एनपीसी के कार्यकलाप	पहल	विवरण
1.	विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में उत्पादकता सुधार	संगठनात्मक पुनर्गठन अध्ययन किया गया	भिलाई स्टील प्लांट, बोकारो स्टील प्लांट, चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स, इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड में
		5S प्रमाणीकरण पूरा किया गया	गुजरात, तेलंगाना और महाराष्ट्र की टोरेंट पावर सोलर प्लांट की 5 इकाइयों में;
		स्थिरता संबंधी अवधारणाओं और उपायों को बढ़ावा दिया गया	11 राज्यों की 123 एमएसएमई में ऊर्जा/पर्यावरणीय ऑडिट करके।
2.	उत्पादकता में सुधार लाने हेतु लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) की सहायता के लिए लागू किए गए उपाय	लीन मैन्युफैक्चरिंग पहल	एमएसएमई मंत्रालय की एमएसएमई प्रतिस्पर्धात्मक लीन स्कीम (एमसीएलएस) को कार्यान्वित किया गया, जिससे पूरे भारत में 541 एमएसएमई लाभान्वित हुए। एमएसएमई इकाइयों के लिए 63 लीन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए और 3155 एमएसएमई इकाइयों ने कार्यक्रमों में भाग लिया।
		समग्र उत्पादकता में सुधार के लिए एसएमई हेतु ग्लीन मॉडल	मेसर्स सनातन ऑटोप्लास्टिक (प्रा) लिमिटेड, फरीदाबाद; मेसर्स यूनाइटेड कोर्स (प्रा) लिमिटेड, फरीदाबाद; मेसर्स मैट्रिक्स टूल्स (प्रा) लिमिटेड, फरीदाबाद; मेसर्स रेवा क्रेन्स (प्रा) लिमिटेड, बहादुरगढ़; मेसर्स मोडवाक इंजी. (प्रा) लिमिटेड, बहादुरगढ़ में कार्यान्वित, जिससे कुल 196.71 लाख रुपये की बचत हुई।
		भारत 4.0-डिजिटल रेडीनेस मूल्यांकन टूल	भारत 4.0- डिजिटल रेडीनेस मूल्यांकन टूल को उद्योग 4.0 पर उत्कृष्टता केंद्र, एनपीसी द्वारा विकसित किया गया है, ताकि स्मार्ट (स्टार्टर, मैनेज्ड, एडेप्टिव, रियलाइजर, टॉप-नॉच) के संदर्भ में प्रस्तुत किये जाने वाले 5 मैच्योरिटी लेवल के संदर्भ में एसएमई की डिजिटल तत्परता के स्तर का आकलन किया जा सके।
3.	सतत और पर्यावरण अनुकूल उत्पादकता उपायों को अपनाने को प्रोत्साहित करने हेतु पहल	हरित सागर दिशा-निर्देश	पर्यावरण अनुकूल उपायों को लागू करने के लिए पत्तनों को सहायता प्रदान की गई।
		अपशिष्ट जल अध्ययन और जल संबंधी ऑडिट	कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) के कार्य निष्पादन और पर्यावरण अनुकूल रोजगार क्षमता का मूल्यांकन किया गया। उत्पादन में भू-जल का उपयोग करते समय वैधानिक मानदंडों के

			क्रियान्वयन की कड़ाई से निगरानी करने के लिए जल संबंधी ऑडिट किया जाता है। टाटा मोटर्स बॉडी सॉल्यूशंस लिमिटेड, कर्नाटक; जेएसडब्ल्यू स्टील्स लिमिटेड, माइंस डिवीजन, कर्नाटक में जल संबंधी ऑडिट किए गए। राजस्थान में 20 औद्योगिक इकाइयों के लिए जल संबंधी ऑडिट किए गए।
		अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएं	समुद्री प्लास्टिक में कमी लाने जैसी वैश्विक पहलों पर काम किया गया।
		पर्यावरण ऑडिट	प्रदूषण और अपशिष्ट मानकों के लिए अनुपालन ऑडिट किया गया।
		क्षमता निर्माण	एनपीसी ने अपशिष्ट प्रबंधन और उत्पादकता के संबंध में 3,800 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया है।
		ईएसजी रिपोर्टिंग	सततता रिपोर्ट और आकलन में सहायता प्रदान की गई।

*****